10

जीवन नहीं मरा करता है

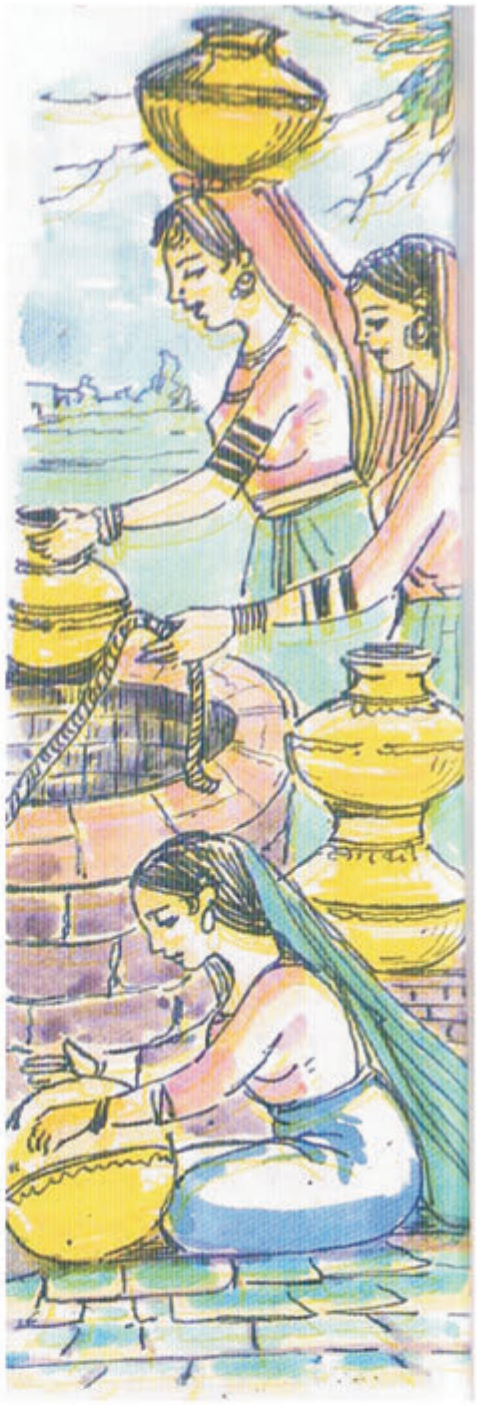

छिप–छिप अश्रु बहाने वालो!
मोती व्यर्थ लुटाने वालो!
कुछ सपनों के मर जाने से जीवन नहीं मरा करता है।

सपना क्या है?नयन–सेज पर
सोया हुआ आँख का पानी,
और टूटना है उसका ज्यों
जागे कच्ची नींद जवानी।

गीली उमर बनाने वालो!
डूबे बिना नहाने वालो!
कुछ पानी के बह जाने से सावन नहीं मरा करता है।

माला बिखर गई तो क्या है?
खुद ही हल हो गई समस्या।
आँसू गर नीलाम हुए तो
समझो पूरी हुई समस्या।

रूठे दिवस मनाने वालो!
फटी कमीज़ सिलाने वालो!
कुछ दीयों के बुझ जाने से आँगन नहीं मरा करता है।

खाता कुछ भी नहीं यहाँ पर
केवल जिल्द बदलती पोथी,
जैसे रात उतार चाँदनी
पहने सुबह धूप की धोती।

वस्त्र बदलकर आने वालो!
चाल बदलकर जाने वालो।
चंद खिलौनों के खोने से बचपन नहीं मरा करता है।

कितनी बार गगरियाँ फूटीं
शिकन न आई पनघट पर।
कितनी बार किश्तियाँ डूबीं
चहल–पहल वैसी है तट पर।

तम की उमर बढ़ाने वालो!
लौ की आयु घटाने वालो!
लाख करे पतझर कोशिश पर उपवन नहीं मरा करता है।

लूट लिया माली ने उपवन
लुट न लेकिन गंध फूल की।
तूफ़ानों तक ने छेड़ा
पर खिड़की बंद न हुई धूल की।

नफ़ गले लगाने वालो!
सब पर धूल उड़ाने वालो!
कुछ मुखड़ों की नाराज़ी से दर्पण नहीं मरा करता है।

–गोपाल दास 'नीरज'

प्रश्न-अभ्यास

बोध और सराहना

1. इस कविता के माध्यम से कवि ने क्या कहना चाहा है?
2. कवि ने कैसे लोगों को ललकारा है?

नीचे हम एक के बारे में बता रहे हैं। शेष के बारे में आप बताएँ:–

क. .....
ख. .....
ग. .....
घ. .....
ङ. .....

3. कवि ने क्या–क्या उदाहरण देकर हमारा हौंसला बढ़ाया है?
4. कविता के आधार पर सपने को परिभाषित करें।
5. किन स्थितियों में समस्या के समाधान मिल जाने की बात कही गई है?आप उससे कहाँ तक सहमत हैं?
6. 'गीता' के निम्नांकित श्लोक का भाव इस कविता की किन पंक्तियों से मिलता है?
   वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरो पराणि।
   तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही। (2–22)
7. पनघट पर घड़े फूटने से और जलधारा में नावों के डूबने पर भी तट पर चहल–पहल क्यों बनी रहती है?कवि ने इन उदाहरणों के आधार पर क्या बताना चाहा है?
8. फूल की गंध की विशेषता क्या है?
9. निम्नांकित पदबंधों का भाव–सौन्दर्य स्पष्ट करें:–

क.	आँसू नीलाम होना	घ.	तम की उम्र बढ़ाना
ख.	गीली उमर	ङ.	लौ की आयु घटाना
ग.	रूठा दिवस		

योग्यता–विसतार

1. हाव–भाव के साथ इस कविता का वाचन करें।
2. इस कविता के भाव से मिलते–जुलते भाव की कविताएँ कई कवियों ने रची है। उनका संकलन करें।
3. ''हमें दु:ख या विपत्ति से नहीं घबराना चाहिए'' विषय पर कक्षा में चर्चा करें।

KSQSUC